अकबर

- रूपमती की मजार - आशिक-ए-वफा
- बाजबहादुर की मजार - आशिक-ए-सादगी

* दुर्ग स्थापत्य *

- राजस्थान में दुर्ग निर्माण का प्रथम उल्लेख मनुस्मृति में मिलता है।
  (12 खंडों में विभाजित)

- महाराणा कुंभा को राजस्थान में दुर्ग निर्माण का जनक माना जाता है क्योंकि इसने पूरे जीवन 84 दुर्गों का निर्माण व पुनः निर्माण करवाया जिसमे से 32 स्वंय ने बनवाये। इसलिए कुंभा को 52 दुर्गों का जीर्णोद्धार कर्ता कहा जाता है।

- राज्य में दुर्ग निर्माण की (पूर्वमध्यकाल में) शुरुआत गुप्तों के समय से मानी जाती है। इनके समय स्थापत्य कला अपने चरम उत्कर्ष पर थी।

- हुणों के समय राजस्थानी स्थापत्य कला को सर्वाधिक नुकसान हुआ। यह मध्य एशिया की एक बर्बर / लड़ाकू जाति थी। जिसे "खुदा का कहर" कहा जाता है।

- गुर्जर प्रतिहारो के समय (महामारू शैली में) स्थापत्य कला का सर्वाधिक विकास हुआ। इसलिए इनका काल राजस्थानी स्थापत्य कला का "स्वर्णकाल" कहा जाता है।

- इसी महामारू शैली को जेम्स बर्गेज व फर्ग्युसन ने इण्डोआर्यन / आर्यावर्त शैली नाम दिया।

- मुगल स्थापत्य कला के परिणामस्वरूप संगमरमर का प्रयोग शुरू हुआ व छोटे बागान, मालिया गलेरियों, फव्वारो, झरोखो को अधिक महत्व दिया गया।

- इनके प्रभाव में बना राज्य पहला दुर्ग आमेर है।

- महाराष्ट्र व मध्यप्रदेश के बाद "राजस्थान" सर्वाधिक दुर्गों वाला राज्य है इसलिए भारत आने वाला हर तीसरा पर्यटक राजस्थान आता है।

मनुस्मृति के अनुसार - गिरी / पर्वत दुर्ग को सर्वश्रेष्ठ माना है।

अर्थ के विषय में अध्ययन - एडम स्मिथ
अर्थशास्त्र का जनक - एडम स्मिथ

- सर्वाधिक देशी पर्यटक पुष्कर (अजमेर) में व सर्वाधिक विदेशी पर्यटक जयपुर में आते है।
- पर्यटक की दृष्टि से सर्वाधिक राजस्व (Tax) प्राप्त करने वाला दुर्ग आमेर है। *
- राज्य का पर्यटन देश की GDP में 1.32% (सकल घरेलू उत्पाद) में योगदान देता है।
- राजस्थान में सर्वाधिक विदेशी पर्यटक फ्रांस से आते है।

* दुर्गों के प्रकार →

- कौटील्य / चाणक्य / विष्णुगुप्त के अनुसार - 4 प्रकार
- पुस्तक - अर्थशास्त्र (राजनीति पर आधारित)
  ↓
  15 अधिकरण / खंड में विभक्त

*
1. औधक (जो जल से घिरा हो)
2. धान्वन
3. पार्वत / गिरी
4. वन — सामान्य श्रेणी

(1–3) — मुख्य / विशिष्ठ श्रेणीयाँ

Trick - "आधापाव"

* शुक्रनीति के अनुसार - 9 प्रकार (सर्वमान्य मत)

पुस्तक - "शुक्रनीतिसार"

1. पारिख
2. जल
3. गिरी
4. धान्वन
5. एरण

(1–5) — मुख्य / विशिष्ट श्रेणियाँ

6. सैन्य
7. पारिध
8. सहाय
9. वन

(6–9) — सामान्य श्रेणिया

Trick - "पाजागिधा एसे पास वन"

चित्तौड़ का दुर्ग - धान्वन को छोड़कर सभी श्रेणियों का पालन करता है। (गिरी दुर्ग)

1. पारिख → वह दुर्ग जिसके चारो ओर गहरी खाईयाँ हो।
जैसे - लोहागढ़, भरतपुर

2. जल → वह दुर्ग जो पानी से घिरा है।
जैसे - जालौर - कौटिल्य ने जल को ही श्रेष्ठ कहा।
गागरोन - (झालावाड़)

3. गिरी - वह दुर्ग जो किसी पहाड़ी के उच्चाशिखर पर बना हो।
जैसे - मेहरानगढ़ (जोधपुर), कुम्भलगढ़ (राजसमंद)
- राज्य के सर्वाधिक दुर्ग इसी श्रेणी में आते है।

4. धान्वन → वह दुर्ग जो मरुभूमि में ~~विस्तृत~~ स्थित हो।
जैसे - सोनारगढ़ (जैसलमेर), भटनेर (हनुमानगढ़)

5. एरण → वह दुर्ग जिसके रास्ते में कंकड़, पत्थर, कंटीली झाड़ियाँ व जाने का दुर्गम मार्ग हो।
जैसे - रणथंभोर दुर्ग (सवाई माधोपुर)

6. सैन्य → वह दुर्ग जिसमे सेना का विशाल समूह रहता हो।
जैसे - मैगजीन दुर्ग (अजमेर) (अंग्रेजो ने सैनिक छावनी बनाई थी)

7. पारिघ → वह दुर्ग जिसके चारों ओर विशाल परकोटा हो।
जैसे - सभी दुर्ग
-* कुम्भलगढ़ दुर्ग का परकोटा सबसे बड़ा परकोटा माना जाता है, जो 36 km. लम्बा व 7 m. (25 फीट) चौड़ा है। लेकिन कर्नल जेम्स टॉड के अनुसार कोटा का परकोटा राजस्थान का सबसे बड़ा परकोटा व आगरा के बाद भारत का दूसरा सबसे बड़ा परकोटा माना जाता है।

8. सहाय → वह दुर्ग जिसमे सदा साथ देने वाले बंधुजन रहते हो।
जैसे - झाईन दुर्ग (सवाई माधोपुर), सिवाणा (बाड़मेर)
(रणथम्भोर की कुंजी) (जालोर की कुंजी)

9. वन → वह दुर्ग जो वृक्षों के समूह से घिरा हो।
जैसे → राज्य के अधिकांश दुर्ग।

चित्तौड़ दुर्ग हनुमानजी को समर्पित

परियोजनाएँ — ताकली – रामगंजमंडी
गरदड़ा – Bundi
ल्हासी – बारां (खजूरिया डैम)
गागरीन – झालावाड़
(परवन की गौण शाखा) दुर्गावती – बारां

- सभी दुर्गों में सैन्य दुर्ग को श्रेष्ठ माना। लेकिन कौटिल्य व मनुस्मृति के अनुसार गिरि (पर्वत) दुर्ग को सर्वश्रेष्ठ माना है।

* एक दुर्ग एक से अधिक श्रेणियों का पालन करता है। लेकिन उसकी एक मुख्य श्रेणी होती है। जिसके नाम से उसे पहचाना जाता है। जैसे - चित्तौड़ दुर्ग धान्वन को छोड़कर सभी श्रेणियों का पालन करता है, लेकिन मुख्यतः गिरि दुर्ग में आता है। क्योंकि यह दुर्ग गंभीरी + बेड़च नदियों के संगम पर स्थित मेसा के पठार की "चित्रकूट" पहाड़ी पर बना है।

* यूनेस्को की मूर्त विश्व धरोहर सूची में शामिल राजपूताना शैली के 6 दुर्ग →
- जून 2013 में शामिल
- पर्यटन मंत्री — बीना काक

1. चित्तौड़गढ़
2. कुम्भलगढ़
3. गागरोन
4. जैसलमेर (सोनारगढ़)
5. रणथम्भौर
6. आमेर

Trick – "चिकु गाजर आम"

* राजस्थान के जल दुर्ग :→

1. गागरोन – *कालीसिंध + आहू के संगम पर
2. मनोहरथाना – परवन व कालीखाड़ के संगम पर
3. भैंसरोड़गढ़ – चम्बल + बामनी
4. शेरगढ़ – परवन नदियों के संगम पर + दुर्गावती

* मिट्टी के दुर्ग :→
1. बाला (अलवर)
2. भटनेर (हनुमानगढ़)
*3. लोहागढ़ (भरतपुर)

* डरावने / भुतहा दुर्ग →

भानगढ़ व अजबगढ़ (अलवर) → रुडयार्ड किपलिंग ने तारागढ़ (बूंदी) को "भूतो व प्रेतो की करामात" तथा मेहरानगढ़ (जोधपुर) को "फरिश्तो परियो व देवताओ की करामात" बताया।

* दुर्गों की बुर्जियां : →

1. मेहरानगढ़ जोधपुर – 101 (सर्वाधिक)
2. सोनारगढ़ जैसलमेर – 99
3. बासा – भटनेर – 52-52. जूनागढ़ – 33.
4. तारागढ़ अजमेर – 14
5. नागौर दुर्ग – 28
6. लोहागढ़ भरतपुर – 8

7. बुर्जियो हि बुर्जियों पर बना दुर्ग – लक्ष्मणगढ़ सीकर
8. सुनहरी बुर्ज – कुचामन (नागौर)
9. शिकार बुर्ज – तारागढ़ (बूंदी)
10. खतरे की सूचना देने वाली बुर्ज – अचलगढ़ सिरोही
11. लरवी बुर्ज – कोटा

* दुर्गों की तोपे : →

1. जयगढ़ (जयपुर) →
– जयबाण (रणबंका) – (प्रदेश) एशिया की सबसे बडी तोप

निर्माता – सवाई जयसिंह – 1720 ई
वजन – 50 टन (50,000 Kg)
नली की लम्बाई – 20.2 फीट
नली का व्यास – 7.2 फीट
गोला दागने की क्षमता – 14 मण 14 सेर 14 छंटाक (लगभग – 574.140 Kg)

मोहन मगरि – चित्तौड़ (अकबर ने बनवाई)

जयपुर में सिलहखाना – मानसिंह ने निर्माण

विजयस्तम्भ – 37.17 मीटर
122 फीट

- मारक क्षमता – 22 मील
- सवाई जयसिंह ने इसे परीक्षण के तौर पर 1 बार चलाया तब इसका गोला चाकसू जयपुर में (लगभग 40 km) गिरा जिससे गोलेलाव तालाब का निर्माण हो गया।

- बाघली
- कड़क बिजली
- रामबाण
- भैरवी
- शेरगंज
- शिवगंज, शिवबाण
- रणचंडी
- फतेहगंज

Trick → "बाकरा भैरो ने शिवरण फतेह किया।"

2. मेहरान गढ़ – जोधपुर

- भवानी
- कड़कबाण
- विद्युबाण
- गजनी खाँ (1607 में गजसिंह ने जालौर विजय में प्राप्त की)
- धूड़ धाणी
- जमजमा
- कालकीला (अजीतसिंह ने 20 रु में अहमदाबाद में बनवाई)
- शंभुबाण (अभयसिंह ने बुलंदराय से छीनी)
- नुसरत,
- गुब्बारा
- नागपली   मघावा, मीरबख्श, मीर कंचन, रहस्य कला, व्याघी
- ~~नमाक~~ गजक
- ~~[illegible]~~सवान   – मघावा, – मीरबख्श

Trick – "भवानी कबी मधु को जम कर कीरा करो।"

जयपुर का परकोटा – यूनेस्को की सूची में शामिल (2019)

संकलीकृत की किला विल्यंटिंग - कप्तान
शेरगढ़ (बारां) - नागवंशी शासक देव दत्त ने बनवाया।
प्रारम्भिक नाम - कोषवर्धन

3. तारागढ़ - बूंदी – गर्भगुंजन

4. सरवाड़ - अजमेर – गर्भभंजन
– कटक बिजली
– रामबाण
– श्यामबाण

5. खंडार - सवाई माधोपुर – शारदा (अष्टधातु से निर्मित)

6. शेरगढ़ - धौलपुर – हुंकुकार (अष्टधातु निर्मित)

7. कोटा – ज्वाला (बाहर)
- चांदनी (अंदर)

8. शाहबाद - बारां – नवलबाण / नवलशाह (18 फीट लम्बी)

9. गढ़ पैलेस - कोटा – ज्वाला तोप - बाहर
चांदनी तोप - अंदर